

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत एकित्व कैसे फाइंडिंग एसीएफ टीबी खोजी अभियान की हुई शुरुआत

अभियान

आगामी 5 दिसंबर तक
चलेगा जिलास्तरीय
अधिकारियों द्वारा
किया गया निरीक्षण

संवाददाता

स्थोहारा-बिजनौर। शासन के आरेंओं के क्रम में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत भर-घर भ्रमण के दौरान क्षय रोपणों की खोजे हुए विशेष अभियान आज 23 नवंबर से आरंभ हो गया। यह अभियान आगामी 5 दिसंबर 2023 तक चलाया जाएगा। जिसके अंतर्गत स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा संभावित क्षय रोपण से ग्रसित व्यक्तियों का नियम अनुसार जांच एवं उपचार उल्लेख कराया जाएगा। साथ ही अनाथालय, वृद्ध



आश्रम, नारी निकेतन, बाल संरक्षण गृह, मदरसा, नवोदय विद्यालय, कारगार चिन्हित समूह स्थल तथा सभी मंडी, लेवर मार्केट, निरीक्षण अधीनी प्रोजेक्ट इंटर भैंड स्टोन और खाड़ी, सासाहिक बाजार इत्यादि को भी आच्छादित किया जाना है। ब्लॉक की कल जनसंख्या की 20वाँ आबादी को टीबी खोजे प्रैनिंग के अंतर्गत शासिल करते हुए। अत्यधिक संवेदनशील जनसंख्या में संभावित टीबी मरीजों को खोज उपरांत, जांच एवं उपचार इत्यादि शासिल हो सकता है।

टीमें गठित की गई उम्मे खास तौर पर शहरी क्षेत्र के ह्यात नगर, इस्लामगढ़, मिल्कायान, पीरायान, काबाजार कस्ता सेलावान, मुरिलम चौधरियान, विठू चौधरियान, मसू सराय, पीछापुर, अलादीननगर, फैजुल्लाहपुर, सफियाबाद, बना बाली, बसतपुर, कुष्ठ आश्रम, सब्जी मंडी, फल मंडी और इंट भैंड आदि भौंकों में ए अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए शासन से प्रैनिंग के अंतर्गत अनुसार घर-घर भ्रमण के दौरान क्षय रोपणों की खोजे हुए विशेष अभियान आज 23 नवंबर से आरंभ हो गया। यह अभियान आगामी 5 दिसंबर 2023 तक चलाया जाएगा। जिसके अंतर्गत स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा संभावित क्षय रोपण से ग्रसित व्यक्तियों का नियम अनुसार जांच एवं उपचार उल्लेख कराया जाएगा। साथ ही अनाथालय, वृद्ध

एक नजारा

लापता बालिका को पुलिस ने 24 घंटे में किया बरामद



द अचीवर टाइम्स रमेश चंद्र लखीमपुर खीरी फरवान। थाना क्षेत्र के गांव सैदपुर सराय गांव निवासी धर-घर से साइकिल से मां बैठे दबा लेने गई अचानक लापता हुई 15 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया बरामद। किशोरी मां की रुकुंदीपुर दबा लेने गई थी। जहां से लापता हो गई थी और साइकिल सड़क किनारे पड़ी मिली थी। गुरुवार को सुबह परिजन की सूचना पर पुलिस गुप्तशुदी दर्जकर खोजबीन शुरू कर दी थी। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किशोरी को सम्भूल बरामद कर दिया। किशोरी के परिजनों ने विश्वाल नमक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाया है।

बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के सैदपुर सराय निवासी 15 वर्षीय किशोरी मांगलालवार की दोपहर साइकिल से अपनी मां के लिए रुकुंदीपुर कर्सों में दबा लेने गई थी। वह देर शाम तक घर नहीं पहुंची। परिजन उसे काफी देर रात तक खोजबीन करते रहे लेकिन कहीं पता नहीं चला। किशोरी को साइकिल गुरुवार की सुबह सराय गांव के पास सड़क किनारे पड़ी मिली। किसी अनहोनी की शंका से परिजन ने 112 पुलिस और थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खोजबीन करने में जुट गई। एसओ ब्रजेश कुमार सीधे ने आरोपण करने का आरोप लगाया है।

बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के सैदपुर सराय निवासी 15 वर्षीय किशोरी मांगलालवार की दोपहर साइकिल से अपनी मां के लिए रुकुंदीपुर कर्सों में दबा लेने गई थी। वह देर शाम तक घर नहीं पहुंची। परिजन उसे काफी देर रात तक खोजबीन करते रहे लेकिन कहीं पता नहीं चला। किशोरी को साइकिल गुरुवार की सुबह सराय गांव के पास सड़क किनारे पड़ी मिली। किसी अनहोनी की शंका से परिजन ने 112 पुलिस और थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खोजबीन करने में जुट गई। एसओ ब्रजेश कुमार सीधे ने आरोपण करने का आरोप लगाया है।

बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के सैदपुर सराय निवासी 15 वर्षीय किशोरी मांगलालवार की दोपहर साइकिल से अपनी मां के लिए रुकुंदीपुर कर्सों में दबा लेने गई थी। वह देर शाम तक घर नहीं पहुंची। परिजन उसे काफी देर रात तक खोजबीन करते रहे लेकिन कहीं पता नहीं चला। किशोरी को साइकिल गुरुवार की सुबह सराय गांव के पास सड़क किनारे पड़ी मिली। किसी अनहोनी की शंका से परिजन ने 112 पुलिस और थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खोजबीन करने में जुट गई। एसओ ब्रजेश कुमार सीधे ने आरोपण करने का आरोप लगाया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर वन-वे रहेगा यातायात

लहरपुर। कार्तिक पूर्णिमा पर राजधानी अनें वाले आरोपियों की संख्या को देखते हुए बिलग्राम से वन-वे यातायात व्यवस्था रहेगी। राजधानी पर लाने वाले में की व्यवस्थाओं को एसीएफ ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया। पूरे दिन व्यवस्थाएं जुर्माई जाती रही। बेरियादात पर कल्पावास के लिए एसीएफ लहरपुर और अस्पताल के आरोप के आधार पर पकड़ गए युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर भग्ना ले जाने के और अपरण करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर वन-वे रहेगा यातायात

हरदोई। कार्तिक पूर्णिमा पर राजधानी अनें वाले आरोपियों की संख्या को देखते हुए बिलग्राम से वन-वे यातायात व्यवस्था रहेगी। राजधानी पर लाने वाले में की व्यवस्थाओं को एसीएफ ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया। पूरे दिन व्यवस्थाएं जुर्माई जाती रही। बेरियादात पर कल्पावास के लिए एसीएफ लहरपुर और अस्पताल के आरोप के आधार पर पकड़ गए युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर भग्ना ले जाने के और अपरण करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर वन-वे रहेगा यातायात

हरदोई। कार्तिक पूर्णिमा पर राजधानी अनें वाले आरोपियों की संख्या को देखते हुए बिलग्राम से वन-वे यातायात व्यवस्था रहेगी। राजधानी पर लाने वाले में की व्यवस्थाओं को एसीएफ ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया। पूरे दिन व्यवस्थाएं जुर्माई जाती रही। बेरियादात पर कल्पावास के लिए एसीएफ लहरपुर और अस्पताल के आरोप के आधार पर पकड़ गए युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर भग्ना ले जाने के और अपरण करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर वन-वे रहेगा यातायात

हरदोई। कार्तिक पूर्णिमा पर राजधानी अनें वाले आरोपियों की संख्या को देखते हुए बिलग्राम से वन-वे यातायात व्यवस्था रहेगी। राजधानी पर लाने वाले में की व्यवस्थाओं को एसीएफ ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया। पूरे दिन व्यवस्थाएं जुर्माई जाती रही। बेरियादात पर कल्पावास के लिए एसीएफ लहरपुर और अस्पताल के आरोप के आधार पर पकड़ गए युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर भग्ना ले जाने के और अपरण करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर वन-वे रहेगा यातायात

हरदोई। कार्तिक पूर्णिमा पर राजधानी अनें वाले आरोपियों की संख्या को देखते हुए बिलग्राम से वन-वे यातायात व्यवस्था रहेगी। राजधानी पर लाने वाले में की व्यवस्थाओं को एसीएफ ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया। पूरे दिन व्यवस्थाएं जुर्माई जाती रही। बेरियादात पर कल्पावास के लिए एसीएफ लहरपुर और अस्पताल के आरोप के आधार पर पकड़ गए युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर भग्ना ले जाने के और अपरण करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर वन-वे रहेगा यातायात

हरदोई। कार्तिक पूर्णिमा पर राजधानी अनें वाले आरोपियों की संख्या को देखते हुए बिलग्राम से वन-वे यातायात व्यवस्था रहेगी। राजधानी पर लाने वाले में की व्यवस्थाओं को एसीएफ ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया। पूरे दिन व्यवस्थाएं जुर्माई जाती रही। बेरियादात पर कल्पावास के लिए एसीएफ लहरपुर और अस्पताल के आरोप के आधार पर पकड़ गए युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर भग्ना ले जाने के और अपरण करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर वन-वे रहेगा यातायात

हरदोई। कार्तिक पूर्णिमा पर राजधानी अनें वाले आरोपियों की संख्या को देखते हुए बिलग्राम से वन-वे यातायात व्यवस्था रहेगी। राजधानी पर लाने वाले में की व्यवस्थाओं को एसीएफ ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया। पूरे दिन व्यवस्थाएं जुर्माई जाती रही। बेरियादात पर कल्पावास के लिए एसीएफ लहरपुर और अस्पताल के आरोप के आधार पर पकड़ गए युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर भग्ना ले जाने के और अपरण करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए

बेकार समझा न फेंके चावल का पानी

વજન ઘટાએ, બેહતર પાચન ક્રિયા, એનર્જી બઢાએ, વાયરલ ઇફેક્શન થા બુખાર, શરીર મેં પાની કી કમી કરે પૂરી, લાડ પ્રેશર કંટ્રોલ, મંજબૂત હંડ્યાં, ગ્લોહંગ રિકન, ઝાડે બાલોં સે છુટકારા

चावल के पानी को अक्सर लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं जबकि यह सेहत के लिए किसी रामबाण से कम नहीं है। जी हाँ, चावल का पानी यानि माड़ सभी जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिसका सेवन ना सिर्फ वजन घटाता है बल्कि ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल होता है। चलिए आज हम आपको चावल के पानी के कुछ ऐसे जबरदस्त फायदे बताते हैं, जिसे जानेके बाद आप भी इसका सेवन शुरू कर देंगे। चावल का पानी पीने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। साथ ही फाइबर से भरपूर होने के कारण इससे भूख भी कंट्रोल होती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। रोजाना चावल का पानी पीने से पेट के अच्छे बैकरेश्या एक्टिव रहते हैं। इससे पाचन किया सुचारू रूप से काम करती है। साथ ही इसमें नींबू का रस मिलाकर पीने से कब्ज की समस्या भी दूर होती।

कार्बोहाइड्रेट से भरपूर चावल का पानी शरीर में

दिनभर उर्जा बनाए रखता है। इसके लिए सुबह एक



स्वादिष्ट
सज्जी ही नहीं
औषधीय गुणों
का भंडार है
कवनार

क्या आप में से किसी ने कचनार की सब्जी खाई है? शायद कुछ लोगों ने खाई होगी और कुछ ने नहीं। लेकिन हम आपको बता दें, कचनार एक बेहद स्वादिष्ट सब्जियों में से एक है। कुछ जगहों पर कचनार का अचार बनाकर खाया जाता है, तो कहीं सब्जी और कहीं मांस या फिर अन्य व्यंजनों के साथ मिलाकर इसे बनाया जाता है। कचनार की सब्जी खाने में जितनी स्वादिष्ट है, उतनी ही सेहतमंद भी है। कचनार की दो अलग-अलग वृक्षजातियों को बौहिनिया वैरीगेटा और बौहिनिया परथुरिया भी कहते हैं। इसके अलावा, हो सकता है कचनार को अन्य जगहों पर कुछ और नाम से जाना जाता हो, लेकिन उत्तराखण्ड में इसे वहाँ की आम भाषा में गुरियाल के नाम से जाना जाता है। कचनार कई पोषक तत्वों से भरपूर है, लेकिन इसमें मुख्य रूप से विटामिन सी, विटामिन के और अन्य कुछ आवश्यक खनिज पाए जाते हैं। यही बजह है कि कचनार के फूलों और कली को सब्जी के अलावा, दवा के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। यह आपको कई बीमारियों से दूर रखने और उनके इलाज में मददगार साबित हो सकता है।

खूबसूरत नजारों के लिए प्रसिद्ध है झाराखंड में बसा औली



हिमाचल प्रदेश देवों का नगरी के है। पहाड़ों के इस प्रदेश में चार धब्बोंनाथ, केदारनाथ, गंगेत्री और केन्द्रीय नाम से भी प्रसिद्ध ही यहाँ क्या?

देवों की नगरी के नाम से दुनियाभर प्रसिद्ध है हिमाचल प्रदेश



संदर्भाओं से भरपर है नानेघाट रिवर्स

मुंबई फिल्म स्टिरी के नाम से पूरी दुनिया में मशहूर है। जबकि इसके आस पास भी कई ऐसी जगह हैं, जो अपनी रहस्यों के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। इनमें एक स्थान नानेघाट है, जो रिवर्स वॉटरफॉल के लिए जाना जाता है। यह घाट रिवर्स वॉटरफॉल के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खासकर बरसात के मौसम में इसकी खूबसूरती देखने लायक होती है। बड़ी संख्या में लोग रिवर्स वॉटरफॉल देखने आते हैं। अगर आपको इस वॉटरफॉल के बारे में नहीं पता है। यह रिवर्स वॉटरफॉल महाराष्ट्र राज्य में स्थित है, जो कोंकण समुद्र तट और जुनार नगर के बीच है। पुणे से इसकी दूरी तकरीबन 150 किलोमीटर है। जबकि मुंबई से इसकी दूरी 120 किलोमीटर है। इसे कई नामों से जाना जाता है। कुछ लोग इसे नानेघाट कहते हैं, तो कुछ लोग इसे नाना घाट कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस नगर की स्थापना सातवाहन वंश ने की है, क्योंकि नानाघाट की गुफा में ब्राह्मी और संस्कृत भाषा में अभिलेख दिखाते हैं। द्वारा अभिलेख में सातवाहन वंश के नामों में लालांग भी दिखाते हैं। उनकी गिरजारी संगम शी दिखाती रही है।



कोरोना
वायरस से पूरी दुनिया बुरी तरह से प्रभावित है।
इस वायरस ने लाखों लागों की जान ले ली है।
विशेषज्ञों की मानें तो इस वायरस की वजह से
सबसे ज्यादा हमारी इम्यूनिटी पर इफेक्ट पड़ता
है। इसलिए हमें ऐसी चीजों का सेवन करना
चाहिए, जिससे इम्यूनिटी पावर मजबूत होती है।
हमारे आस-पास कई ऐसे फूड्स हैं, जो हमारे

शिमला मिर्च उन्हीं सब्जियों में से एक है, जिससे इम्यूनिटी बूस्ट होती है। आज हम आपको इसके फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए जानते हैं शिमला मिर्च खाने के

कोरोना: खाने में जल्दी शामिल करें शिमला निर्ध

शामिल करें। शिमला मिर्च में कैलोरी बहुत ही कम होता है। इसके कारण शिमला मिर्च का सेवन करने से काफी हद तक वजन कम होता है। इसके साथ-साथ शिमला मिर्च से मेटाबॉलिज्म काफी अच्छा होता है। मेटाबॉलिज्म बेहतर होने से हमारा वजन काफी तेजी से घटता है। शिमला मिर्च में विटामिन सी, विटामिन ए, अल्कालॉइङ्ड्स, फलेबानाइङ्ग्स और टैनिन्स जैसे तत्व प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें मौजूद अल्कालॉइङ्ग्स एंटी-इंफ्लेमेटरी और एनलजेस्टिक हमारे शरीर के लिए



सुबह उठने के तरीके को आयुर्वेद

म बताया गया ह सबस सहा
अच्छी नींद के बाद दिनभर व्यक्ति हेल्दी और तरोताज़ा
महसूस करता है। लेकिन, सही मात्रा में नींद से जहां सेहत
अच्छी रहती है। वहीं, सुबह सही तरीके से उठने से भी
सेहत पर असर पड़ता है। आयुर्वेद में सुबह बिस्तर से उठने
के लिए कुछ तरीके बताए गए हैं। जिनका, पालन करवें
आपको कई हेल्दी फायदे होंगे। आयुर्वेद के अनुसार, सबस

सुबह उठने वाले सभी लोग

जिदगा म बहुत सफल हात ह

कई बार हुए सिसच ये सांवित कर चुके हैं कि सुबह उठने वाले आत्मप्रेरित होते हैं। वो लगातार काम करते हैं। दूसरों की बात भी वो ज्यादा मानते हैं। वो बहुत बड़े टारोट खरेते हैं। वो भविष्य की योजनाएं ज्यादा बेहतर बनाते हैं। सुबह उठने वाले अपनी सेहत का भी ज्यादा खयाल खरेते हैं। गत में देर तक जगने वालों के मुकाबले, सुबह उठने वाले शराब कम पीते हैं। डिझेशन के भी कम ही शिक्कर होते हैं। वहीं, गत रात में देर तक जगने वाले यादवाश्त के मोर्चे में नाकाम हैं। दुनिया की आधी आबादी ज़िदी

इसमें कोई दो राय नहीं कि सुबह उठने के कई फायदे होते हैं। तड़के उठकर आप वर्जिंश करके, नाश्ता करके, दफ्तर के लिए तेयार होकर कुछ काम भी निपटा डालते हैं। तो, क्या वो लोग जो देर से उठते हैं, कम कामयाब होते हैं? जो देर तक सोते रहते हैं, क्या उनके काम अधूरे रह जाते हैं? क्या वाकई ऐसा ऐसा कि देर तक सोने वाले ज़िदी में न तो सफल हो पाते हैं, न सेहतमंद? अगर आपके जहन में भी ये खयाल है, तो इसे निकाल दीजिए। क्योंकि एक तजुर्बे से मालूम हुआ है कि दुनिया दो हिस्सों में बंटी है। आधे लोग ऐसे हैं, जिन्हें सुबह उठना वाही बाकी के आधे लोग देर तक सोना और ही शिक्कर होते हैं। वहीं, गत रात में देर तक जागना पसंद है। वहीं बाकी के आधे लोग देर तक सोना और ही शिक्कर होते हैं। है कि देर तक सोने वाली दुनिया की आधी आबादी ज़िदी

वहीं करीब-करीब इतने ही लोग रात में देर तक जागना पसंद करते हैं।
रिसर्च से पता चला है कि सुबह उठने वाले लोग ज्यादा सहयोगी मिजाज

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्लवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उप्र) से प्रकाशित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी बाद विवाद का निर्दारण